

---

Shri Ashtalakshmi Stuti

श्रीअष्टलक्ष्मीस्तुतिः

Document Information

---

Text title : Ashtalakshmi StutiH 2  
File name : aShTalakShmIstutiH2.itx  
Category : devii, lakShmI, devI  
Location : doc\_devii  
Proofread by : Manish Gavkar  
Latest update : August 29, 2022  
Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2022

*sanskritdocuments.org*

---


श्रीअष्टलक्ष्मीस्तुतिः




रथमध्यामश्वपूर्वा गजनादप्रबोधिनीम् ।  
साम्राज्यदायिनीं देवीं गजलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ १ ॥  
धनमग्निर्धनं वायुः धनं भूतानि पञ्च च ।  
प्रभूतैश्वर्यसन्धात्रीं धनलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ २ ॥  
पृथ्वीगर्भसमुद्भिन्ननानाव्रीहिस्वरुपिणीम् ।  
पशुसम्पत्स्वरूपां च धान्यलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ ३ ॥  
न मात्सर्यं न च क्रोधो न भीतिर्न च भेदधीः ।  
यद्भक्तानां विनीतानां धैर्यलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥  
पुत्रपौत्रस्वरूपेण पशुभृत्यात्मना स्वयम् ।  
सम्भवन्ती च सन्तानलक्ष्मीं देवीं नमाम्यहम् ॥ ५ ॥  
नानाविज्ञानसन्धात्रीं बुद्धिशुद्धिप्रदायिनीम् ।  
अमृतत्वप्रदात्रीं च विद्यालक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ ६ ॥  
नित्यसौभाग्यसौशील्यं वरलक्ष्मीं ददाति या ।  
प्रसन्नां स्त्रैणसुलभां आदिलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ ७ ॥  
सर्वशक्ति स्वरूपां च सर्वसिद्धिप्रदायिनीम् ।  
सर्वेश्वरीं श्री विजयलक्ष्मीं देवीं नमाम्यहम् ॥ ८ ॥  
अष्टलक्ष्मींसमाहारस्वरूपां तां हरिप्रियाम् ।  
मोक्षलक्ष्मीं महालक्ष्मीं सर्वलक्ष्मीं नमाम्यहम् ॥ ९ ॥  
दारिद्र्यदुःखहरणं समृद्धिमपि सम्पदाम् ।  
सच्चिदानन्दपूर्णत्वं अष्टलक्ष्मीस्तुतेर्भवेत् ॥ १० ॥  
इति श्रीदत्तपीठाधीश्वर श्री गणपति सच्चिदानन्दयतिवर  
विरचिता अष्टलक्ष्मीस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Manish Gavkar

---

——  
*Shri Ashtalakshmi Stuti*

pdf was typeset on August 30, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

